

8) what does the necessity of punishment in society?

समाज के लिए आवश्यक होता है।

= समाज के लिए अन्य कानूनी विधि के बहुत अधिक महत्वपूर्ण है।  
उसके लिए लापता करने के लिए विधि का उपयोग करता है। अब  
समाज के अधिकारी विधि का उपयोग करते हैं। अब समाज के अधिकारी विधि का उपयोग करते हैं। अब समाज के अधिकारी विधि का उपयोग करते हैं। अब समाज के अधिकारी विधि का उपयोग करते हैं। अब समाज के अधिकारी विधि का उपयोग करते हैं। अब समाज के अधिकारी विधि का उपयोग करते हैं। अब समाज के अधिकारी विधि का उपयोग करते हैं। अब समाज के अधिकारी विधि का उपयोग करते हैं।

Q) what is the aims of punishment?

आवश्यक होना चाही।

= अपराधी कोहराएँ देता है। अपराधी कोहराएँ देता है।

i) अपराधी कोहराएँ देता है।

ii) अपराधी कोहराएँ देता है।

iii) अपराधी कोहराएँ देता है।

" we may define Ethics as the normative science of  
conducted human beings living in societies — a science  
which judges this conduct to be right or ~~wrong~~  
to be good or bad, or in some similar way".

नीतिकृत अवाद्य-समाजसभी अपरिवर्तनीय  
उमन का उपासना-क्रिया विधान समाजे आद्यमें उपासन की  
सत्त्वि, एल ली अपने अपने अवाद्य-विधान को ले लूँ। युग्म  
सत्त्वि-विधान समाजसभी आचार्य-शैक्षिक-जनर्म नीतिकृत  
अवाद्य-

- ① अपार्वन तुम्हारा दूर जानकारी की विद्या है आमतौर पर स्वामी

② अपार्वन तुम्हारा दूर जानकारी की विद्या है ।

③ अपार्वन तुम्हारा दूर जानकारी की विद्या है इसलिए यह गणकीय ।

④ अपार्वन तुम्हारा दूर जानकारी की विद्या है इसलिए यह गणकीय ।

- अपेक्षित वापर की विवरणों के सम्बन्ध में ज्ञान का एक  
- अधिकारी अधिकारी द्वारा किया जाना चाहिए -  
- इसकी विवरण की

⇒ what is the classification of punishment?

■ punishment classification ?

— विभिन्न क्रमों में अपेक्षित विवरण की जानकारी —

- ① संतुलित क्रम में retributive theory.
- ② अविकल्पनात्मक विवरण or preventative theory.
- ③ संवर्धनीय क्रम में reformative theory.

⇒ Distinguish between statement of fact and statement of value :-

■ वाक्यात् विषयः एव वाक्यानुभूतिः अनुसरं हीनः

— वाक्यात् विषयम् मम् वाक्यात् बहुत्तरं अस्ति लक्षणं है —

■ वाक्यात् विषयः : 'वाक्यात् विषयः' एवं देवाधिकारं 'वाक्यात् विषया जीवोऽपातकः' ; समाचारं अग्राही सूक्ष्मा एव प्रसूति इष्टादृष्टिः एव वाक्यात् विषयः । अग्राही इल 'वाक्यात् विषयः' ; अग्राही—प्रसूतिः 'वाक्यात् विषयः' ५०% आख्ला शायद उल्लिख्य । अग्राही एव इष्टादृष्टिः 'वाक्यात् विषयः' ५०% आख्ला वायं शक्तिः । अग्राही एव इष्टादृष्टिः 'वाक्यात् विषयः' ५०% आख्ला वायं शक्तिः ।

■ वाक्यात् विषयः : 'वाक्यात् विषयः' एवाऽपि 'विषयवाक्यात् विषयः' वा 'विषयवाक्यात् विषयः' इति वाक्यात् विषयम् । अपि वाक्यात् विषयः जीवोऽपातकः एव इल वाक्यात् विषयः । अग्राही—प्रसूतिः 'विषयवाक्यात् विषयः' ५०% आख्ला शायद उल्लिख्य । अग्राही एव इष्टादृष्टिः 'विषयवाक्यात् विषयः' ५०% आख्ला वायं शक्तिः । अग्राही एव इष्टादृष्टिः 'विषयवाक्यात् विषयः' ५०% आख्ला वायं शक्तिः ।



“तुम्हारी जाति का नियंत्रण करने की कोशिश करते हैं। तुम्हारी जाति का नियंत्रण करने की कोशिश करते हैं। तुम्हारी जाति का नियंत्रण करने की कोशिश करते हैं। तुम्हारी जाति का नियंत्रण करने की कोशिश करते हैं। तुम्हारी जाति का नियंत्रण करने की कोशिश करते हैं।

ପ୍ରାଚୀନ କଥା ମଧ୍ୟ କଥା ଏବଂ କଥାର ଜ୍ଞାନ କିମ୍ବା ଅନୁଷ୍ଠାନ ।

Explain the panchamahatma according to you.

□ 7.200.000 ₦ - 10% = 720,000 ₦ - 10% = 720,000 ₦

— विद्युत वित्त की विकास की विधि अनुसार विद्युत वित्त का विकास करने की विधि।

**क्षेत्रोः**— शह, गल, वा लिंगायत् अस्त्राद्यु उपर्युक्त जलो वा अधिकारी वाहन इति, अतः जलो वा चक्रवृत्तं अस्त्राद्यु अस्त्राद्यु यज्ञस ना वाणि वा अधिकारी वा जलो इति अस्त्राद्यु। अस्त्राद्यु वर्णन समिक्षित रूपाभ्यु विविधं वा अस्त्राद्यु अस्त्राद्यु यज्ञस ना वाणि, अस्त्राद्यु वर्णन अद्वितीया अपर्यु वास्तवः।

**मुक्तिप्राप्ति:**— जाति भवति अर्थात् अपेक्षा संसारी विद्याया— जातिप्राप्ति  
स्वयं जाया, तर्हा विद्या का क्षमा ज्ञानप्राप्ति जला गृहि न विद्याया अनुदाता विद्या  
द्वयमात्र लाभिष्ठते आप स्वयं विद्या इति विद्या। यद्यपि विद्या अभ्यास विद्या  
अभ्यास

**દ્વારા પ્રાપ્તિકુલ:** સંગત અભિવાદ ક્રમ જો આપણની પ્રાપ્તિ હલ અનાદ્વિરુદ્ધ, રન્ધરની અનુભૂતિ ના ક્રમાંગ પ્રાપ્ત જા ગઈએ એથી પ્રાપ્ત કરીને મિશ્ન પદ્ધિની વળજી હતી તેણે એવે પ્રાપ્તિકુલ આવ્યે જો અભિવાદ કરાયા એંટિ ખાતે ના।

**■** निम्नलिखित प्रश्न के उत्तरका लिए वाचन : निम्न वाक्यों का अर्थ बताओ। विद्यालय  
- मारुपुरात्मक वाक्यों का अर्थ बताओ। जिन वाक्यों द्वारा वाक्यों का अर्थ बताया जाता है ? → एक वाक्य  
- जैसा वाक्य वाक्यों की विधि से विभिन्न होता है ? इसे वाक्यात्मक विधि कहा जाता है।



لهم أنت معلم كل خلق  
فلا يجيء بحاجة إلا أنت أنت تحيي ويموت  
أنت أرحم الراحمين وأنت أرحم الراحمين  
أنت أرحم الراحمين وأنت أرحم الراحمين

[٤] حمد لله رب العالمين رب العرش العالى

**मुख्य अधिकारी कौन होता है ?** — लालू-परिवार का प्रमुख  
लकड़ा, आमोदालिंग लकड़ा, बड़ा लकड़ा, छोटा लकड़ा, गोला लकड़ा जैसे  
लकड़े। लकड़ियों में सबसे लकड़ियों में लकड़ियों का लकड़िया, लकड़ियों का लकड़िया  
— लकड़िया लालू लकड़िया लालू लकड़िया लालू लकड़िया लालू ! लकड़िया  
लकड़िया लालू लकड़िया लालू लकड़िया लालू !

कक्षुः—सामित्रिक भवान् या किंपत्तया इष्ट विशेष स्वरूप  
जा रात्रि एवं दिव्य अपनिधि एवं विभास एवं भवात् देवान् हि—  
वापि विशेषम् द्वये गल विशेष इति । सामित्रिक भवान् वासि पूर्ण  
रात्रि अवाहु एव विभास उचित रूपल भवति—  
वात्रिक अवाहु एव विभास उचित रूपल भवति । अतिवाहु वासि विभास  
वात्रिक अवाहु एव विभास उचित रूपल भवति ।

題一：請問 誰 是 誰？

ମିଳିବାରେ କାହାରୁ ପାଇଁ କାହାରୁ ?

०. निमित्त वेष्टन एवं :- निमित्त वेष्टन वाले भूल का

4) what is the meaning of the vedic Rita ?  
on  
what is Rita ?

What is  $\frac{d}{dx}$ ?

1. The tree is tall, straight and healthy  
 2. The tree is tall, straight and healthy

⇒ what is the meaning of the vedic name ?

what is name ?

□ नाम का क्या अर्थ है ?

□ क्या की ?

= जल नामकी विद्युत अपेक्षा प्राचीनतम् नाम रामो विद्युत विद्युत्  
जलात् जलात् विद्युतिः नामः इति — विद्युत् वा विद्युत् वा विद्युत् वा  
विद्युत् विद्युत् वा विद्युत् वा विद्युत् वा विद्युति विद्युत् वा  
विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति ।

— शुण्डि वलि इत्यर्थ — "आपाताता इ है आपातकी  
— विद्युतिहर्ष वा विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति  
विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति  
विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति  
विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति ।

— विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति ।

→ ① विद्युति ② विद्युति

③ विद्युति ④ विद्युति ⑤ विद्युति ⑥ विद्युति ।

— विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति ।

① विद्युति

② विद्युति

③ विद्युति । अतिथे, विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति

— द्रुष्टि विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति

— द्रुष्टि विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति

— द्रुष्टि विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति

— अपेक्षा विद्युति !

⇒ what does descended mean by our idea of descent  
descended classification of ideas?

□ अपने पिता की वृक्षादान : इसमें लिखा गया  
होता है क्या ?

③/⑥

⇒ □ मुद्दा : वृक्षादान के द्वारा Idea का द्वारा  
उपरोक्त वर्णन किया जाता है। अतः  
वृक्षादान के द्वारा उपरोक्त वर्णन का द्वारा  
प्राचीन वर्णन बनाया जाता है। अतः वृक्षादान का  
द्वारा उपरोक्त वर्णन द्वारा उपरोक्त वर्णन का द्वारा

nished/

मात्र ?

□ वृक्षादान का विवर : इसमें दो वर्णन दिये गए  
हैं एवं वृक्षादान का विवर : आवश्यक विवर  
है एवं इसके लिए इसके लिए विवर है।  
वृक्षादान का विवर इसके लिए जैव एवं वृक्षादान का  
विवर है एवं असूत्र वर्णन अपूर्व, विकल्प वर्णन वर्णन  
विकल्प वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन  
वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन

□ दोनों भाग विवर : विकल्प वर्णन + वर्णन वर्णन  
वर्णन वर्णन वर्णन + वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन  
वर्णन वर्णन वर्णन + वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन  
वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन वर्णन

Q How does Leibniz make a distinction between "Truths of fact" and "Truths of reason".

~~वास्तविक विद्या की सत्यता को कैसे बताते हैं?~~

Ans.

- Ans: जहाँ Leibniz के अनुसार वास्तविक विद्या की सत्यता को बताते हैं। उसका अर्थ यह है कि
- किसी विद्या की सत्यता को प्रमाणित करना आवश्यक है। जैसा कि
  - वह विद्या की वास्तविकता। लेइनिझ ने 'New essays on Human understanding' में यह विवरण किया है।
  - विद्या की सत्यता को प्रमाणित करना वास्तविक सत्य का सामना करना है।
  - विद्या की सत्यता।

वास्तविक विद्या की सत्यता की विवरण:

- ① Truth of reason = विद्या की सत्यता: Leibniz को वास्तविक विद्या की सत्यता की विवरण देते हैं। वास्तविक विद्या की सत्यता को प्रमाणित करना आवश्यक है। जैसा कि लेइनिझ ने 'New essays on Human understanding' में यह विवरण किया है।
- वास्तविक विद्या की सत्यता को प्रमाणित करना आवश्यक है। जैसा कि लेइनिझ ने 'New essays on Human understanding' में यह विवरण किया है।
- वास्तविक विद्या की सत्यता को प्रमाणित करना आवश्यक है। जैसा कि लेइनिझ ने 'New essays on Human understanding' में यह विवरण किया है।
- वास्तविक विद्या की सत्यता को प्रमाणित करना आवश्यक है। जैसा कि लेइनिझ ने 'New essays on Human understanding' में यह विवरण किया है।
- वास्तविक विद्या की सत्यता को प्रमाणित करना आवश्यक है। जैसा कि लेइनिझ ने 'New essays on Human understanding' में यह विवरण किया है।

— अपने वास्तविक स्थिति का अनुकूल नहीं होता। लोग अपने वास्तविक स्थिति की विशेषता देखते नहीं पाते और उसे अपने वास्तविक स्थिति की विशेषता में बदल देते हैं।

□ प्राचीन विचारों — अपनी विचारों के बारे में लोग अपने वास्तविक स्थिति की विशेषता को अपने वास्तविक स्थिति की विशेषता में बदल देते हैं।

① आवश्यक विचार Advertitious idea.

② वृत्ति विचार Peticious idea.

③ अवश्यक विचार innate idea.

□ आवश्यक विचार — जो विचार आपके विचारों के बाहरी स्थिति का अनुकूल नहीं होता। आपको आपकी विचारों की विशेषता देखना अवश्यक होता है। ऐसे विचार — जीव, जल, धूम, धरा, इत्यादि आवश्यक विचार होते हैं जो आपकी विशेषता को अपने वास्तविक स्थिति की विशेषता से अलग बना देते हैं। ऐसे विचार आपके विचारों की विशेषता को अपने वास्तविक स्थिति की विशेषता से अलग बना देते हैं।

□ वृत्ति विचार — जो विचार आपके विचारों की विशेषता की विशेषता को अपने वास्तविक स्थिति की विशेषता से अलग बना देते हैं। ऐसे विचार — जीव, जल, धूम, धरा, इत्यादि आपके विचार की विशेषता को अपने वास्तविक स्थिति की विशेषता से अलग बना देते हैं।



Q) give the definition of ethics ?

प्र० वैधिकी क्या है ?

= give the definition of ethics after prof. mackenzie?

प्र० मॅकेनजी के अनुसार एथिक्स की परिभ्रमा क्या है ?

प्र०

= give the definition of ethics after william mill?

प्र० विलिम मिल के अनुसार एथिक्स की परिभ्रमा क्या है ?

= 'ethics' अधिकृत ग्रन्थ अनुसार, इस 'वैधिकी', 'ethics' अपनी  
संस्कृत भूमि पर एथिक्स 'है', अर्थात् ethics अपनी संस्कृत  
भूमि पर एथिक्स अपनी भूमि पर 'वैधिकी' अपनी भूमि पर 'वैधिकी'  
(ethics के वैधिकी अधिकृत अधिकृत परिभ्रमा के विवारण, जो इस  
संस्कृत वैधिकी अपनी वैधिकी अपनी भूमि पर वैधिकी अपनी भूमि पर वैधिकी  
कहता है, वैधिकी एवं वैधिकी अपनी भूमि पर वैधिकी अपनी भूमि पर वैधिकी  
कहता है, वैधिकी एवं वैधिकी अपनी भूमि पर वैधिकी अपनी भूमि पर वैधिकी)

— अन्तिम व्याख्या (mackenzie) वैधिकी अपनी

— वल्हरा — "ethics may be defined as the study of what  
is right or good in conduct". अर्थात् "वैधिकी इस आठवां शेर्मा

— का पालन करनीची विधान", जिसे अन्तिम वैधिकी अपनी भूमि पर वैधिकी

introduction of ethics ग्रन्थ वैधिकी अपनी भूमि पर वैधिकी